M.A.- II (Pali & Prakrit) CBCS Pattern Semester-III

MAPPCBCS301 - Anguttarnikay Va Pali Kavya

P. Pages : 5 **GUG/W/23/10446**

Time : Three Hours * 5 6 7 5 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अट्ठिमे, भिक्खवे, हेतू अट्ठ पच्चया आदिब्रह्मचरियिकाय पञ्ञाय अप्पटिलध्दाय पटिलाभाय, पटिलध्दाय, भिय्यो भावाय वेपुल्लाय भावनाय पारिपूरिया सेवत्तन्ति कतमे अट्ठ? इधं, भिक्खवे भिक्खु, सत्थारं उपनिस्साय विहरति अञ्ञतरं वा गरुट्ठानियं सब्रह्मचारि यत्थस्स तिब्बं हिरोत्तप्प पच्चुपट्ठितुं होति पेमं च गारवो च अयं, भिक्खवे, पठमो हेतु पठमो पच्चयो आदिब्रह्मचरियिकाय पञ्ञाय अप्पटिलध्दाय पटिलाभाय, भिय्योभावाय, वेफल्लाय भावनाय पारिपूरिया संवत्तति। सो तं सत्थारं उपनिस्साय विहरन्तो अञ्ञतरं वा गरुट्ठानियं सब्रह्मचारि, यत्थस्स तिब्बं हिरोमप्पं पच्चुपट्ठितं होति पेमं च गारवो च ते कालेन कालं-

किंवा / अथवा

एवं मे सुत्तं। एकं समयं भगवा सावत्थिया विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि - भिक्खवो ति। 'भदन्ते' ति ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोसुं। भगवा एतदवोच - मेत्ताय, भिक्खवे चेतोविमुत्तिया आसेविताय भाविताय बहुलीकताय यानीकताय, वत्थुकताय अनुट्ठिताय परिचिताय सुसमारध्दाय अट्ठानिसंसा पारिकङख। कतमे अट्ठं? सुखं सुपति, सुखं पटिबुज्झति न पापकं सुपिनं पस्सतिं मनुस्सानं पियो होति, अमनुस्सानं पियो होति पस्सति, मनुस्सानं पियो होति देवता रक्खन्ति, नास्स अग्गि वा विसं वा अत्थं वा कमति उतरि अप्पटिविज्झतो ब्रह्मलोकूपगो होति। मेत्ताय, भिक्खवे, चेतोविमुत्तिया आसेविताय भाविताय बहुलीकताय यानिकताय वत्थुकताय अनुट्ठिताय परिचिताय सुसमारध्दाय इमे अट्ठानिसंसा परिकङखा ति।

ब) 'पठमलोकधम्मसुत्तं' तुमच्या शब्दांत लिहा. **6**
'पठमलोकधम्मसुत्तं' तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

किंवा / अथवा

मेत्तसुत्ताचा सारांश लिहा.
मेत्तसुत्त का सार लिखिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एवं में सुत्तं एक समयं भगवा सावत्थियं विहरति जेतवने अनाथपिण्डिकस्स आरामे। तत्र खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि- 'सचे भिक्खवे, अञ्ञातित्थिया परिब्बाजका एवं पुच्छेय्यु - सम्बोधि परिक्खकानं आवुसो, धम्मानं का उपनिसा भावनाया 'ति एव पुट्ठा तुम्हे भिक्खवे तेसं अञ्ञतित्थियानं परिब्बाजकान किन्ति ब्याकरेय्याया' ति? भगवा मूलका नो, भन्ते, धम्मा भगवतो सुत्वा भिक्खू धारेस्सन्ति ति। तेन हि, भिक्खवे, सुग्गाथ, साधुकं मनसि करोथ भासिस्सामी' ति एवं भन्ते' ति खो ते भिक्खू भगवतो पच्चस्सोसु। भगवा एतदवोच सचं भिक्खवे, अञ्ञातित्थिया परिब्बाजको एवं पुच्छेय्युं सम्बोधिपक्खिकानं आवुसो धम्मानं का उपनिसा भावनाया' ति एवं पुट्ठा तुम्हे भिक्खवे तेसं अञ्ञातित्थियानं परिब्बाजकानं एव ब्याकराद्वेय।

किंवा / अथवा

एकं समयं भगवा राजगहे विहरति गिज्झकूटे पब्बतो अथ खो सुतवा परिब्बाज को येन भगवा तेनुपसङकमि उपसङकमित्वा भगवता सध्दिं सम्मोदि। सम्मोदनीयं कथं सारणीयं वीतिसारेत्वा एकमन्त निसीदि। एकमन्तं निसिन्नो खो सुतवा परिब्बाजको भगवन्तं एतदवोचं - एकमिदाहं - भन्ते समयं भगवा इधेव राजगहे विहरामि गिरिब्बजे। तत्रं मे, भन्ते, भगवतो सम्मुखा सुत्तं सम्मुखा पटिग्गहितं - यो सो सुतवा भिक्खु अरहं खीणासवो वुसितवा कतकरणीयो ओहितभारो अनुप्पञ्जसदत्थो परिक्खिण भव संयोजनी सम्मदञ्ञाविमुत्तो, अभब्बो सो पञ्च ठानानि अज्झाचरितुं अभब्बो खीणासवो भिक्खु सञ्चिच्च पाणं जीविता वारोपेतुं अभब्बो खीणासवो भिक्खु अदिन्नं थेय्यासङख्यात आदातुं।

ब) निस्सय सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
निस्सय सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

बल सुत्ताचा सारांश लिहा.
बल सुत्त का सार लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

वुत्तं हेतं भगवता वुत्तमय्हता ति मे सुत्तं द्वीहिं भिक्खवे, धम्मेहि, समन्नागतो भिक्खु दिट्ठेव धम्मे सुखसोमनस्सबहुलो विहरति - 'योनिचस्स आरध्दा होति आसवानं खयाय। कतमेहि द्विहि? संवेगणीयेसु ठानेसु संवेजनेन, संविग्गस्स च योनिसो पधानेन। इमेहि खो, भिक्खवे, द्वीही धम्मेहि समन्नागतो भिक्खु दिट्ठेव धम्मे सुखसोमनस्सबहुलो विहरति योनि चस्स आरध्दा होति आसवानं खयाया ति। एतमत्थं भगवा अवोच। तत्थेत इति वुच्चति। "संवेजणीयट्ठानेसु संविज्जेथेव पण्डितो। आतापि निदको भिक्खु पञ्ञाय समवेक्खिय॥ एवं विहारी आतापि सत्तवुत्ति अनुध्दतो। येतोसमयमनुयुत्तो खयं दुक्खस्स पापुणे' ति॥

किंवा / अथवा

द्वे मे, भिक्खवे, धम्मा अतपनीया। कतमे द्वे? इधं भिक्खवे, एकच्चो कतकल्याणो होति कतकुसलो कतभीरसमीणो अकतपापो अकतलुद्दो अकतकिब्बिसो। सो कतं में कल्याणं - 'ति पि न तप्पति? 'अकतंमे पापं ति पि न तप्पति। इमे खो, भिक्खवे, द्वे धम्मा अत्तपनीया" ति। एतमत्थं भगवा अवोच, तत्थेत इति वुच्चति।

काय दुच्चरित हित्वा वचीदुच्चरितानि च।
मनोदुच्चरितं हित्वा, यञ्चञ्ञं दोससम्हितं॥
अकत्वाकुसलं कम्मं, कत्वानं कुसल बहु।
कायस्स भेदा सुप्पञ्ञो सग्ग सो उपपज्जति॥

ब) तपनीय सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
तपनीय सुत्त का सार लिखिए।

किंवा / अथवा

पठमन कुहन सुत्ताचे कथानक सांगा.
पठमन कुहन सुत्त का कथानक बताईए।

4. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) चीवरे पिण्डपाते च मच्चये सयनासने।
एतेसु तण्ह माकासि मा लोकं पुनरागामि॥

2) संवुतो पातिमोक्खस्मिं इन्द्रियेसु च पंचसु।
सति कायगता त्यत्थु निब्बादाबहुलो भव॥

3) निमित्तं परिवज्जेहि सुभं रागुपसंहितं।
असुभाय चित भावेहि एकग्गं सुसमाहितं॥

4) अनिमित्तं च भावेहि मानानुसमयमुज्जह।
ततो मानाभिसमया उपसन्तो चरिस्सामी' ति॥

किंवा / अथवा

1) कच्चि अभिण्हसंवासा नावजानासि पण्डितं।
उक्काधारो मनुस्सानं कच्चि अपचितो तया॥

2) नाहं अभिण्हसंवासा अवजानापि पण्डितं।
उक्काधारो मनुस्सानं निच्च अपचितो मया॥

3) पंचकामगुणो हित्वा पियरुपे मनोरमे।
सध्दाय धरा निक्खम्म दुक्खस्सन्तकारो भव॥

4) मित्ते भजस्स कल्याणो पन्तं च सयानासनं।
विवित्तं अप्पनिग्घोसं - मत्तञ्ञू होहि भोजने॥

ब) सुत्तनिपात ग्रंथाचे महत्त्वं लिहा. **6**
सुत्तनिपात ग्रंथ का महत्त्वं लिखिए।

किंवा / अथवा

सुत्तनिपात ग्रंथाचे वैशिष्ट्ये लिहा.
सुत्तनिपात ग्रंथ का वैशिष्ट्ये लिखिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) सुत्तनिपात
2) इतिवृत्तक
3) अंगुत्तरनिकाय
4) खुद्दकनिकाय

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
उचित पर्याय लिखिए।

1) खुद्दकनिकायाचे ग्रंथ किती.
खुद्दकनिकाय के ग्रंथ कितने।
अ) 10 ब) 12
क) 13 ड) 15

2) अंगुत्तरनिकाय कुठे येते.
अंगुत्तरनिकाय कहाँ आता है।
अ) खुद्दकपाठ ब) सुत्तनिपात
क) सुत्तपिटक ड) विनयपिटक

3) बौध्दांच्या धम्मग्रंथाला म्हणतात.
बौध्दों के धम्मग्रंथ को कहते है।
अ) सुत्तपिटक ब) तिपिटक
क) अनुपिटक ड) अभिधम्मपिटक

4) इतिवृत्त कुठे येते.
इतिवृत्तक कहाँ आता है।
अ) खुद्दकनिकाय ब) खुद्दकपाठ
क) अनुपिटक ड) अभिधम्मपिटक

5) अंगुत्तरनिकायांचे किती निपात आहेत.
अंगुत्तरनिकाय के कितने निपात है।
अ) 11 ब) 12
क) 13 ड) 14

6) सम्बोधिसुत्त कुठे येतो.
सम्बोधिसुत्त कहाँ आता है।
अ) अट्ठक निपात ब) नवनिपात
क) सुत्तनिपात ड) इतिवृत्तक

7) इतिवृत्तक ग्रंथात किती सुत्ते येतात.
इतिवृत्तक ग्रंथ में कितने सुत्तं आते है।
अ) 110 ब) 111
क) 112 ड) 113

8) सुखविहार सुत्त कुठे येते.
सुखविहार सुत्तं कहाँ आता है।
अ) इतिवृत्तक ब) धम्मपद
क) जातक ड) सुत्तनिपात

9) गोतम बुध्दांचे महापरिनिब्बाण कुठे झाले.
गोतमबुध्द का महापरिनिब्बाण कहाँ हुआ था।
अ) कुसीनारा ब) वैशाली
क) वज्जी ड) उज्जैन

10) अट्ठांगिक मार्गात किती अंग आहेत.
अट्ठांगिक मार्ग में कितने अंग है।
अ) 06 ब) 07
क) 08 ड) 09

****